प्रकृति के ऋणी बनें रहें, स्कूल में कार्यक्रम

सरदारशहर. उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गांधी विद्या मंदिर में बहुविध प्रतिभा के धनी अल्बर्ट आईन्स्टीन के पुनरावतार के रूप में विख्यात देव अरस्तु पंचारिया ने कहा कि जीवन में हर काम कठिन है। कठिनाई को भांप कर कार्य करना चाहिए। क्वान्टम फिजिक्स का सरल शब्दों में विश्लेषण करते हुए बताया कि जो देखा जा सकता है, या जो आंखो से नहीं देखा जा सकता उन सभी विषयों को परिभाषित किया जा सकता है। प्रकृति के ऋणी बनें, कर्ण की भांति किसी ओर को नहीं स्वयं को सीमाओं में नहीं बांधे, कड़ी टूटे नहीं, दृढ़ संकल्पी स्वयं को ही बनना है। उन्होंने अनेक विषयों पर 500 से अधिक डिस्कवरी की एवं 300 कॉपीराईट की जानकारी दी। अपनी गणितीय कार्य की शुरूआत निवास रामानुजम् की, प्रतिभा पलायन पर चिन्ता व्यक्त करते हुये समाज व व्यवस्था को दोषी ठहराया।